CHETANA
International Journal of Education (CIJE)

Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)

Impact Factor
SJIF 2026-8.584

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण का तुलनात्मक अध्ययन

संगीता महरवाल
शोधार्थी, शिक्षा विभाग
डॉ.भारती विजय
शोध पर्यवेक्षिका (असिसटेन्ट प्रोफेसर) शिक्षा विभाग
अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत
Email: Sangeeta.atoli@gmail.com, Mobile-8764057666

First draft received: 07.02.2026, Reviewed: 09.02.2026
Final proof received: 11.02.2026, Accepted: 15.02.2026

सारांश

राजनीतिक समाजीकरण राजनीतिक व्यवस्था के प्रति दृष्टिकोण और विश्वास की स्थापना और विकास है. यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर और समुदाय स्तर पर राजनीतिक संस्कृति को आकार दिया जाता है, साथ ही पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया जाता है. राजनीतिक समाजीकरण राजनीतिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण निवेशिक कार्य है जो "मूल्यों के आधिकारिक आवंटन" के माध्यम से समाज को नियंत्रित करता है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के आयामों राजनीतिक ज्ञान एवं राजनीतिक सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययन करना हैं। शोध में शोधार्थी द्वारा सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया। प्रस्तुत शोध के लिए न्यादर्श के रूप में राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम में संलग्न महाविद्यालयों के कुल 320 एवं इसमें प्रत्येक क्षेत्र से 160 विद्यार्थियों को जिसमें 160 प्रशिक्षणार्थियों को लिया गया । न्यादर्शन स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श विधि से किया गया। शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान कार्य के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु दत्त संकलन का कार्य स्वयं पर्यवेक्षक के निर्देशन में राजनीतिक समाजीकरण के स्वनिर्मित परीक्षण द्वारा किया गया। निष्कर्ष में ज्ञात हंआ कि शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक ज्ञान आयाम में सार्थक अंतर पाया जाता है। जबकि राजनीतिक सहभागिता आयाम में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

मुख्य शब्द : *राजनीतिक समाजीकरण, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, स्नातक स्तर, शारीरिक शिक्षा ,फार्मेसी, प्रशिक्षणाथी, राजनैतिक ज्ञान, राजनैतिक सहभागिता.*

प्रस्तावना

समाजीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति समाज में अपनी सभी विविधताओं के साथ शामिल होता है। हर समाज के अपने मूल्य होते हैं और एक अनूठी, अलग पहचान होती है। व्यक्ति को व्यवस्था में आत्मसात होना पड़ता है ताकि वह व्यवस्था का हिस्सा बन सके, कभी ढला हुआ तो कभी व्यवस्था को बदलता हुआ। समाजीकरण व्यक्ति के जीवन में एक सतत प्रक्रिया है। हर समाज में बदलाव अपरिहार्य है और राजनीतिक व्यवस्था में भी। हर राजनीतिक व्यवस्था की चुनौती यह है कि निरंतरता और निरंतरता बनाए रखते हुए इन बदलावों को अपने व्यक्तियों में कैसे समाहित किया जाए। राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया सामान्य समाजीकरण का एक हिस्सा है।

राजनीतिक समाजीकरण राजनीतिक व्यवस्था के प्रति दृष्टिकोण और विश्वास की स्थापना और विकास है. यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर और समुदाय स्तर पर राजनीतिक संस्कृति को आकार दिया जाता है, साथ ही पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया जाता है. राजनीतिक समाजीकरण राजनीतिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण 'इनपुट फंक्शन'है जो "मूल्यों के आधिकारिक आवंटन" के माध्यम से समाज को नियंत्रित करता है। राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया आम तौर पर लोगों की जानकारी के बिना एक कारण या अगोचर तरीके से कार्य करती है. यह बचपन में शुरू होता है और व्यक्ति के पूरे जीवन काल में जारी रहता है. इस प्रकार, इरविन ने कहा, "राजनीतिक समाजीकरण सभी राजनीतिक शिक्षाओं को शामिल करेगा चाहे वह औपचारिक हो या अनौपचारिक, या जानबूझकर और केवल स्पष्ट रूप से राजनीतिक शिक्षा जो राजनीतिक व्यवहार को प्रभावित करती है, जैसे कि राजनीतिक रूप से अप्रासंगिक सामाजिक दृष्टिकोणों को सीखना और राजनीतिक रूप से प्रासंगिक व्यक्तिगत विशेषताओं का अधिग्रहण". किसी सामाजिक या राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता उसके सदस्यों के राजनीतिक समाजीकरण पर निर्भर करती है, क्योंकि एक अच्छा नागरिक वह होता है जो समाज के राजनीतिक मानदंडों को स्वीकार करता है और फिर उन्हें भावी पीढ़ी तक पहुंचाता है। लुसियन पाई के अनुसार, "राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से ही व्यक्ति अपनी राजनीतिक दुनिया के बारे में जागरूकता विकसित करता है और राजनीतिक घटनाओं के बारे में अपनी प्रशंसा, निर्णय और समझ हासिल करता है, और वह अपनी राजनीतिक संस्कृति के प्रति समाजीकृत होता है और अपनी राजनीतिक पहचान का एहसास करता है। सीधे शब्दों में कहें तो, राजनीतिक समाजीकरण एक ऐसा विचार है जो राजनीतिक स्थिरीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करना चाहता है। यह एक राष्ट्र की राजनीतिक संस्कृति को पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी तक सफलतापूर्वक स्थानांतरित करके उसे आकार देता है और बनाए रखता है। अवधारणा का विकास सभी राजनीतिक प्रणालियों के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में से एक यह है कि समाज के सदस्यों को राजनीतिक जिम्मेदारियों के लिए कैसे तैयार किया जाए । यह समस्या शुरुआती समय से ही मौजूद रही है और इसने दुनिया भर के राजनीतिक वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित किया है। सबसे पहले यूनानी राजनीतिक वैज्ञानिक प्लेटो ने राजनीतिक समाजीकरण में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने नागरिकों को राज्य के मामलों में सक्रिय भागीदारी के लिए तैयार करने में नागरिक शिक्षा को आवश्यक माना। हालाँकि, ईसाई धर्म के उदय के साथ, राजनीति को मुख्य रूप से नैतिकता का विषय माना जाने लगा और नागरिक शिक्षा को कोई महत्व नहीं दिया गया। सुधार के बाद के दौर के धर्मनिरपेक्ष लेखकों ने भी समाजीकरण की समस्या को अधिक महत्व नहीं दिया। रूसो के साथ, एक बार फिर राजनीतिक समाजीकरण की समस्या पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा। इसीलिए डेविड ओ. सियर्स ने कहा, "राजनीतिक समाजीकरण के क्षेत्र का पूर्वानुमान, निश्चित रूप से, प्लेटो से लेकर रूसो और माओ तक लगभग हर युग के राजनीतिक सिद्धांत में लगाया गया है"। यदि इसका वर्तमान अवतार मुख्य रूप से 1920 और 1930 के दशक में नागरिक शिक्षा के अमेरिकी अध्ययनों से लिया गया है। हालाँकि, इसने चुनावी दृष्टिकोण के संदर्भ में अनुभवजन्य रूप से उन्मुख राजनीतिक व्यवहार साहित्य में प्रवेश में कुछ देरी की है।

1950 के दशक के अंत और 1960 के दशक की शुरुआत में इस क्षेत्र में अनुसंधान अचानक तेजी से बढ़ने लगा, जिसकी प्रेरणा मुख्य रूप से हाइमन के स्मारकीय मोनोग्राफ और फ्रेड.आई. ग्रीनस्टीन और डेविड ईस्टन और जैक डेनिस द्वारा किए गए बच्चों के दृष्टिकोण के अग्रणी अनुभवजन्य अध्ययनों से मिली। तब से अनुसंधान आउटपुट में ज्यामितीय दर से वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप दुनिया भर में कई ग्रंथों और साहित्य का प्रकाशन हुआ। हालाँकि, "राजनीतिक समाजीकरण" शब्द को गढ़ने और 1959 में प्रकाशित अपने काम "राजनीतिक समाजीकरण" में राजनीति विज्ञान अनुसंधान में इसके महत्व को पहचानने का श्रेय हाइमन को जाता है।

राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया काफी हद तक राजनीतिक संस्कृति के रखरखाव पर निर्भर करती है। राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से ही व्यक्ति राजनीतिक संस्कृति सीखता है और राजनीतिक उद्देश्यों के प्रति उसका रुझान बनता है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य व्यक्तियों को इस तरह से प्रशिक्षित या विकसित करना है कि वे एक राजनीतिक समुदाय के अच्छे से काम करने वाले सदस्य बन सकें। दूसरे शब्दों में, राजनीतिक समाजीकरण व्यक्तियों के मन में मूल्यों, मानदंडों और झुकावों का क्रमिक समावेश है ताकि वे राजनीतिक व्यवस्था में विश्वास विकसित करें और इस तरह खुद को अच्छे काम करने वाले नागरिक के रूप में बनाए रखें और अपने उत्तराधिकारियों के मन पर अपनी अमिट छाप छोड़ें।

अधिकांश अध्ययनों ने व्यवहारवादियों को यह विश्लेषण करने के लिए प्रेरित किया कि समाज द्वारा व्यक्ति में राजनीतिक अभिविन्यास कैसे स्थापित किए जाते हैं? लेखकों और विद्वानों के अनुसार, उनके मौलिक राजनीतिक रुझान किसी भी समाज में व्यक्ति के राजनीतिक व्यक्तित्व को निर्धारित करने में मदद करते है। उस अवधि के बाद से, राजनीतिक समाजीकरण के विभिन्न पहलुओं पर शोध के निष्कर्ष और प्रकाशन दुनिया भर में स्थिर दर से बढ़े हैं। राजनीतिक समाजीकरण की सामग्री तीन व्यापक श्रेणियों अर्थात् राजनीतिक व्यवस्था से लगाव, पक्षपातपूर्ण दृष्टिकोण और राजनीतिक भागीदारी में आती है। राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया व्यक्ति के जीवन भर चलती रहती है। व्यक्ति राजनीतिक समाजीकरण प्रक्रिया के माध्यम से राजनीतिक रुझान और स्वभाव सीखता है। उनके राजनीति सीखने के रूप प्रकट या अव्यक्त हो सकते हैं। राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया परिवार, सहकर्मी समूहों, शैक्षणिक संस्थानों, माध्यमिक समूहों, मास मीडिया और कार्यस्थल जैसे विभिन्न एजेंटों के माध्यम से प्रभावित होती है। उपरोक्त कारकों में, परिवार सबसे महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह राजनीतिक विश्वासों की नींव रखता है। कार्यस्थल पर प्राप्त अनुभव भी राजनीतिक अभिविन्यास को आकार देने में मदद करता है। ये राजनीतिक समाजीकरणकर्ता राजनीतिक अभिविन्यास को स्पष्ट रूप से या परोक्ष रूप से जानबूझकर या अनजाने में प्रसारित करते हैं और इस प्रकार, व्यक्ति के अभिविन्यास और स्वभाव के निर्माण में बहुत योगदान देते हैं।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

नुसरत अजीमा और अन्य (2026) ने 'ऑनलाइन जगहों से शहरी शासन तकरू इस्लामाबाद, पाकिस्तान के यूनिवर्सिटी छात्रों के बीच सोशल मीडिया के जरिए राजनीतिक समाजीकरण' विषय पर एक शोध किया। उनके अनुसार आधुनिक डिजिटल युग में, राजनीतिक समाजीकरण के लिए ऑनलाइन जगहें, खासकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ज़्यादा महत्वपूर्ण हो गए हैं – विशेष रूप से युवाओं के बीच। शहरी शासन को ध्यान में रखते हुए, यह अध्ययन सोशल मीडिया के जरिए राजनीतिक समाजीकरण के प्रभावों की जाँच करता है – कि यह यूनिवर्सिटी छात्रों की ऑफलाइन राजनीतिक भागीदारी और उनकी अपनी राजनीतिक प्रभावशीलता की धारणाओं पर कैसे असर डालता है। इस अध्ययन में, 375 स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के सर्वेक्षण डेटा का विश्लेषण एक मात्रात्मक शोध दृष्टिकोण का उपयोग करके किया गया। यह अध्ययन ऑनलाइन राजनीतिक रूप से सक्रिय होने, राजनीतिक रूप से जागरूक होने और वास्तव में राजनीति में शामिल होने के बीच के संबंध को देखता है। परिणामों से पता चलता है कि कॉलेज के छात्र राजनीति के बारे में जानकारी पाने के लिए सोशल मीडिया पर बहुत ज़्यादा निर्भर रहते हैं और उनमें राजनीतिक एजेंसी (स्वयं की राजनीतिक भूमिका) की एक मजबूत भावना होती है। किसी व्यक्ति का अपनी राजनीतिक प्रभावशीलता में विश्वास और शहरी प्रशासन से संबंधित ऑफलाइन राजनीतिक प्रक्रियाओं में उसकी भागीदारी – ये दोनों ही इंटरनेट पर उसकी राजनीतिक भागीदारी के स्तर के साथ सकारात्मक रूप से सहसंबंधित हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि राजनीतिक समाजीकरण की आधुनिक प्रक्रिया में सोशल मीडिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि राजनीतिक ज्ञान, ऑनलाइन भागीदारी और ऑफलाइन गतिविधि के बीच एक मजबूत संबंध है। डिजिटल प्लेटफॉर्म युवाओं के राजनीति में शामिल होने के तरीके को बदल रहे हैं, और यह अध्ययन इन प्लेटफॉर्मों के सामाजिक महत्व और सहभागी शहरी नियोजन को बेहतर बनाने की उनकी क्षमता को उजागर करता है।

फेल्डमैन, स्टेनली, एवं अन्य (2025) ने 'राजनीतिक समाजीकरण और सामाजिक नेटवर्क' पर काम किया है। राजनीतिक समाजीकरण पर मौजूद साहित्य माता–पिता और दोस्तों के महत्व पर प्रकाश डालता है, लेकिन ऐसे अध्ययन मिलना दुर्लभ है जो इन समाजीकरण कारकों का एक ही मॉडल में विश्लेषण करते हों। इसके विपरीत, मित्रों को अक्सर एक या कुछ ही मित्रों तक सीमित रखा जाता है, जो शायद मित्रों के वास्तविक प्रभाव को पूरी तरह से न दर्शा पाए। इसका कारण यह है कि मानक डेटासेट लोगों के दोस्तों के पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी इकट्ठा नहीं करते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि एक अधूरा नेटवर्क होने से नेटवर्क प्रभावों के अनुमान पक्षपाती हो सकते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए, उन्होने 419 छात्रों का सर्वेक्षण किया, जिन्होंने आगे 4500 अतिरिक्त सामाजिक संपर्कों को शामिल किया, जिन्होंने एक छोटे सर्वेक्षण के जवाब दिए। संभावित रूप से आंतरिक नेटवर्क निर्माण को नियंत्रित करते हुए और प्रत्यक्ष नेटवर्क प्रभावों के लिए एक साधन के रूप में 'सेकंड–ऑर्डर पीयर्स' (अप्रत्यक्ष साथियों) का उपयोग करते हुए, हमने पाया कि हमारे द्वारा सर्वेक्षण किए गए छात्रों में अप्रवासी–विरोधी भावना और मतदान के इरादों पर माता–पिता और दोस्तों का महत्वपूर्ण राजनीतिक समाजीकरण प्रभाव पड़ता है। हम यह भी दिखाते हैं कि यदि हम केवल कक्षा के साथियों के प्रभाव की जांच करते हैं – जैसा कि आमतौर पर इस विषय के साहित्य में किया जाता है – तो परिणाम अलग आते हैं। सामाजिक संपर्कों का सर्वेक्षण करना एक पूर्ण सामाजिक नेटवर्क तक पहुँचने का एक आशाजनक तरीका है, जो वर्तमान राजनीतिक समाजीकरण साहित्य में डेटा की सीमाओं को दूर करता है।

मैथिल्डे एम. वैन डिटमार्स और फैब्रीज़ियो बर्नार्डीफैब्रीज़ियो बर्नार्डी(2023) ने वयस्कता में राजनीतिक समाजीकरण, माता–पिता का अलगाव और राजनीतिक विचारधारा,शीर्षक पर अध्ययन किया। पिछले दशकों में तलाक की दरों में वृद्धि दो–माता–पिता वाले परिवार की पारंपरिक छवि को चुनौती देती है क्योंकि नए परिवार के रूप तेजी से आम होते जा रहे हैं। फिर भी परिवार का पारंपरिक दृष्टिकोण राजनीतिक समाजीकरण अनुसंधान के लिए केंद्रीय बना हुआ है। इसलिए, हम राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रियाओं के लिए माता–पिता के अलगाव के परिणामों के बारे में एक सैद्धांतिक रूपरेखा का प्रस्ताव करते हैं और उसका अनुभवजन्य परीक्षण करते हैं। जबकि समाजशास्त्रियों द्वारा माता–पिता के तलाक के प्रभाव का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है, इस प्रभावशाली जीवन घटना के राजनीतिक निहितार्थ काफी हद तक उजागर हुए हैं। विश्लेषणों में आर्थिक अभाव और एकल–माँ समाजीकरण के तंत्र के लिए अनुभवजन्य समर्थन पाते हैं। हमारे निष्कर्षों के निहितार्थ यह हैं कि पारिवारिक राजनीतिक समाजीकरण प्रक्रिया में, संतानों के राजनीतिक झुकाव न केवल उनके माता–पिता की विचारधारा से प्रभावित होते हैं, बल्कि पारिवारिक संरचना से उत्पन्न होने वाले प्रारंभिक अनुभवों से भी प्रभावित होते हैं।

मैथिल्डे एम. वैन डिटमार्स (2023)ने अपने अध्ययन, ''राजनीतिक लैंगिक अंतर और वाम–दक्षिणपंथी विचारधारा का अंतर–पीढ़ीगत संचरण'' मे बताया की जबकि पश्चिमी यूरोप में राजनीतिक विचारों को अलग करने के लिए वाम और दक्षिणपंथी मुख्य शब्द हैं, नागरिकों के पारिवारिक समाजीकरण का अध्ययन मुख्य रूप से इन वैचारिक ब्लॉकों के साथ पहचान के बजाय पक्षपातपूर्ण प्राथमिकताओं के संदर्भ में किया गया है। अध्ययन राजनीतिक समाजीकरण प्रक्रियाओं में वामपंथी और दक्षिणपंथी विचारधारा के संचरण के बीच अंतर करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। इसके अलावा, यह दर्शाता है कि माता–पिता और संतानों की पीढ़ियों के भीतर और उनके बीच लिंग अंतर प्रदर्शित करने वाले लक्षणों के अंतर–पीढ़ी संचरण का अध्ययन करते समय संतान के लिंग के आधार पर भेद करना अनिवार्य है। निष्कर्ष राजनीतिक समाजीकरण प्रक्रिया में विशेष रूप से महिला संतानों की सक्रिय भूमिका की ओर इशारा करते हैं, क्योंकि वे परिवार के बाहर के प्रभावों से अधिक दृढ़ता से प्रभावित होती हैं जो आगे लिंग पुनर्संरेखण की पीढ़ीगत प्रक्रियाओं को बनाए रखती हैं।

शोध अंतराल

आज तक राजनीतिक समाजीकरण पर किए गए शोध में, किसी विशेष समूह या समूहों के राजनीतिक समाजीकरण का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। प्रासंगिक समूह किसी विशेष क्षेत्र, जाति, धर्म, आयु वर्ग या लिंग से संबंधित प्रतीत होते हैं। और उनके राजनीतिक विचारों के आधार पर, ऐसा लगता है कि राजनीतिक–समाजीकरण की भविष्यवाणी की जाती है। प्रस्तुत शोध **स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण** में क्या अन्तर है या वे इस प्रक्रिया को किस प्रकार गतिशील बना रहे हैं? इसका अध्ययन इस शोध में किया गया हैं। इसी प्रकार, शोध के लिए चुने गए क्षेत्र में ऐसा कोई शोध अभी तक शोधकर्त्री के संज्ञान में नहीं आया है, इसलिए यह कहा जा सकता है कि यह शोध अन्य शोधों की तुलना में अपनी विशिष्टता दर्शाता है तथा शोध में निश्चित रूप से अंतराल है।

समस्या कथन

स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण का अध्ययन

शोध का महत्व

राजनीतिक समाजीकरण एक प्रमुख प्रभावी प्रक्रिया है जो विद्यार्थियों को राजनीतिक समाजीकरण के विभिन्न एजेंटों के साथ बातचीत के माध्यम से अपनी राजनीतिक दुनिया को समझने में सक्षम बनाती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक समाजीकरण विद्यार्थियों को कई राजनीतिक मामलों के संबंध में विवेक को नियंत्रित करना सीखाता है।

राजनीतिक समाजीकरण बताता है कि कैसे लोग राजनीतिक व्यक्तित्व, मूल्य और व्यवहार बनाते हैं, जो जीवन भर निर्धारित रहते हैं। राजनीतिक समाजीकरण व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि यह विद्यार्थियों को राजनीतिक विचार विकसित करने और राजनीतिक मूल्य प्राप्त करने की अनुमति देता है। यह प्रक्रिया महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राजनीतिक संस्कृति और शक्ति को कैसे तैयार किया जाता है, इसकी अतिरिक्त समझ की अनुमति देता है। विशिष्ट राजनीतिक दलों पर विभिन्न विचार धाराओं की पहचान और विभिन्न सरकारी कार्यों की धारणा समाज को राजनीतिक समाजीकरण सरकार और सराहनीय पुलिस अधिकारियों जैसे समझदार लोगों के साथ जोड़ता है। राजनीतिक समाजीकरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को इस तरीके से प्रशिक्षण और विकास देना है कि वह राजनीतिक समुदाय के सुकार्यकारी सदस्य बन सके।

राजनीतिक समाजीकरण क्या भूमिका निभा सकता है और वह इसे कैसे या किसी प्रकार निभा सकता है तथा इसके लिए किन–किन अभिकरणों की आवश्यकता इसमें पढ़ सकती है? यह जानने का प्रयास करने के लिए इस अध्ययन की आवश्यकता शोधार्थी द्वारा महसूस की गई।

शोध मे प्रयुक्त तकनीकी शब्दावली

व्यावसायिक पाठ्यक्रम

एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम व्यावहारिक कार्य पर केंद्रित होता है, जो छात्रों को किसी विशेष व्यापार या कुशल पेशे के लिए तैयार करता है। व्यावसायिक पाठ्यक्रम किसी विशेष क्षेत्र से संबंधित विशेष ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए डिजाइन किए जाते हैं।

प्रशिक्षणार्थी

प्रशिक्षण लेने वाला व्यक्ति या किसी क्षेत्र विशेष की व्यवहारिक रूप से शिक्षा लेने वाला व्यक्ति प्रशिक्षणार्थी होता हैं। प्रस्तुत शोध में शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले प्रशिक्षणार्थियों को लिया गया हैं।

स्नातक स्तर

वर्तमान अध्ययन में स्नातक स्तर से अभिप्रायः जब विद्यार्थी किसी कॉलेज या विश्वविद्यालय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम अथवा सामान्य पाठ्यक्रम में डिग्री के लिए कक्षा 10+2 उत्तीर्ण करने के पश्चात् प्रवेश लेता हैं।

राजनीतिक समाजीकरण

राजनीतिक समाजीकरण एक ऐसी प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करता है जिसके माध्यम से व्यक्तियों को राजनीतिक संस्कृति में प्रेरित किया जाता है ताकि राजनीतिक वस्तुओं के प्रति उनका रुझान बने। पड़ोसियों, समुदाय के साथी सदस्यों के साथ व्यवहार करना, राजनीतिक मुद्दों और घटनाओं में रुचि लेना आदि।

उभरते हुए शोध प्रश्न

- शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक ज्ञान पक्ष में क्या अन्तर हैं।
- शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक सहभागिता पक्ष में क्या अन्तर हैं।

प्रस्तावित अध्ययन के उद्देश्य

- शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक ज्ञान पक्ष का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक सहभागिता पक्ष का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित परिकल्पनाएं की गई है –

$H_0{}^1$ शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक ज्ञान पक्ष में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

$H_0{}^2$ शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक सहभागिता पक्ष में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध में प्रयुक्त चर

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित चरों का अध्ययन किया गया है –

स्वतंत्र चर

- शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षणार्थी ।

आश्रित चर

- राजनीतिक समाजीकरण के पक्ष राजनीतिक ज्ञान और राजनीतिक सहभागिता।

शोध आकल्प

शोध में शोधार्थी द्वारा सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया।

न्यादर्श एवं न्यादर्श तकनीक

प्रस्तुत शोध के लिए न्यादर्श के रूप में राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम में संलग्न महाविद्यालय जिसमें सरकारी एवं निजी क्षेत्र के महाविद्यालयों के कुल 320 प्रशिक्षणार्थियों को लिया गया।इसमें प्रत्येक क्षेत्र से 160 प्रशिक्षणार्थियों को जिसमें 80 छात्र एवं 80 छात्राएं सम्मिलित किया गया। न्यादर्शन स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श विधि से किया गया।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान कार्य के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु दत्त संकलन का कार्य स्वयं पर्यवेक्षक के निर्देशन में निम्न उपकरण द्वारा किया गया :–

- राजनीतिक समाजीकरण का स्वनिर्मित परीक्षण।
  इसको चार भागों में बांटा गया हैं : राजनीतिक ज्ञान, राजनीतिक रुचि, राजनीतिक अभिवृत्ति और राजनीतिक सहभागिता। प्रस्तुत शोध पत्र में शोधकत्री ने केवल दो आयामों राजनीतिक ज्ञान और राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन किया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

शोधार्थी वर्तमान शोध कार्य के लिए न्यादर्श से आँकड़े एकत्रित करेगा, इन आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण करने के लिए सामान्य सांख्यिकीय तकनीकी का प्रयोग किया जाएगा :–

1. मध्यमान
2. प्रमाणिक विचलन
3. टी–परीक्षण

शोध का परिसीमन

प्रस्तुत शोध हेतु समयाभाव के कारण निम्न परिसीमाएं निर्धारित गई है –

- प्रस्तुत शोध पत्र को जयपुर जिलें के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के स्नातक स्तर पर अध्ययनरत 320 प्रशिक्षणार्थियों तक ही सीमित रखा गया हैं।
- प्रस्तुत शोध पत्र को जयपुर जिले के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों तक ही सीमित रखा गया हैं।
- प्रस्तुत शोध पत्र को राजनीतिक समाजीकरण उपकरण के केवल दो आयामों राजनीतिक ज्ञान और राजनीतिक सहभागिता तक ही सीमित रखा गया हैं।

प्रदतों का विश्लेषण

परिकल्पना $H_0{}^1$:– शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक ज्ञान आयाम में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

सारणी संख्या 1.1

स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक ज्ञान आयाम के प्राप्तांकों के मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मान

राजनीतिक समाजिकरण एवं आयाम	व्यावसायिक पाठ्यक्रम	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मान
ज्ञानात्मक पक्ष	शारीरिक शिक्षा के प्रशिक्षणार्थी	160	52.52	7.84	2.558*
	फॉर्मेसी के प्रशिक्षणार्थी	160	50.06	7.22	

आरेख संख्या 1.1

स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक ज्ञान के प्राप्तांकों के मध्यमान

उपरोक्त सारणी एवं आरेख संख्या 1.1 से स्पष्ट होता हैं कि उपरोक्त तालिका संख्या 5.4 से स्पष्ट है कि राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के ज्ञानात्मक पक्ष के प्राप्तांकों का मध्यमान 52.52 एवं मानक विचलन 7.84 हैं तथा फॉर्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के ज्ञानात्मक पक्ष के प्राप्तांकों का मध्यमान 50.06 एवं मानक विचलन 7.22 हैं। जिसमें शारीरिक शिक्षा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के प्राप्तांकों का मान , फॉर्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के प्राप्तांकों से अधिक पाया गया।

राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा एवं फॉर्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के ज्ञानात्मक पक्ष के प्राप्तांकों के अन्तर का परिकलित टी–मान 2.558 हैं जोकि 0.05 सार्थकता स्तर पर 318 स्वतन्त्रता कोटि पर सारणी मान 1.96 से अधिक है, अतः परिकलित मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक है।

परिकल्पना H_0^2 :– शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक सहभागिता आयाम में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

सारणी संख्या 1.2

स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक ज्ञान आयाम के प्राप्तांकों के मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मान

राजनीतिक समाजिकरण एवं आयाम	व्यावसायिक पाठ्यक्रम	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मान
राजनीतिक सहभागिता	शारीरिक शिक्षा के प्रशिक्षणार्थी	160	30.79	4.34	0.485
	फॉर्मेसी के प्रशिक्षणार्थी	160	31.09	5.97	

आरेख संख्या 1.2

स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक सहभागिता के प्राप्तांकों के मध्यमान

उपरोक्त सारणी एवं आरेख संख्या 1.2 से स्पष्ट है कि राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक सहभागिता के प्राप्तांकों का मध्यमान 30.79 एवं मानक विचलन 4.34 हैं तथा फॉर्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक सहभागिता के प्राप्तांकों का मध्यमान 31.09 एवं मानक विचलन 5.97 हैं। जिसमें फॉर्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के प्राप्तांकों का मान, शारीरिक शिक्षा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के प्राप्तांकों से अधिक पाया गया।

राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के स्नातक स्तर के शारीरिक शिक्षा एवं फॉर्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक सहभागिता के प्राप्तांकों के अन्तर का परिकलित टी–मान 0.485 हैं जोकि 0.05 सार्थकता स्तर पर 318 स्वतन्त्रता कोटि पर सारणी मान 1.96 से कम है, अतः परिकलित मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है।

परिणामों का विश्लेषण

यह निष्कर्ष की राजनीतिक ज्ञान आयाम में राजनीतिक समाजशास्त्र में एक दिलचस्प मोड़ पेश करता है। शुरू में, कोई यह उम्मीद कर सकता है कि पेशेवर स्वास्थ्य सेवा के छात्र (जैसे फार्मेसी वाले) राजनीतिक ज्ञान के मामलों में शारीरिक शिक्षा के छात्रों की तुलना में अधिक अंक प्राप्त करेंगे, क्योंकि उनके प्रवेश के लिए अकादमिक मानक ऊँचे होते हैं। यद्यपि, जब बात विशेष रूप से राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक ज्ञान वाले पक्ष की आती है, तो शारीरिक शिक्षा के छात्र लगातार फार्मेसी के छात्रों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

यह अंतर इसलिए होता है क्योंकि फार्मेसी के छात्र एक बहुत ही अलग–थलग "STEM बबल'' **विज्ञान,तकनीकी,इंजनियरिंग एवं गणित** में सिमटे रहते हैं, जबकि शारीरिक शिक्षा का पाठ्यक्रम सार्वजनिक नीति, सरकार द्वारा चलाए जाने वाले संस्थानों और सामुदायिक स्तर की सामाजिक व्यवस्थाओं से गहराई से जुड़ा होता है।

राजनीतिक सहभागिता मे फार्मेसी के छात्रों के प्राप्तांक शारीरिक शिक्षा के छात्रों से कुछ अधिक हैं। व्यवहार में आया यह बदलाव एक दिलचस्प समाजशास्त्रीय सिद्धांत को दिखाता हैः जहाँ शारीरिक शिक्षा छात्रों के पास लामबंदी के लिए शारीरिक पूँजी और जमीनी सामाजिक कौशल होते हैं, वहीं फार्मेसी छात्रों के पास ढाँचागत और संस्थागत अनुशासन का एक ऊँचा स्तर होता है, साथ ही उन्हें अपनी पेशेवर कमजोरियों की गहरी और सामूहिक समझ होती है,यही चीज उन्हें मतदान केंद्रों और पेशेवर संगठनों के दफ्तरों तक ले जाती है।

निष्कर्ष

शोध से प्राप्त निष्कर्ष निम्न हैं:–

H_0^1 शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण राजनीतिक ज्ञान में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है। स्वीकृत नहीं की जाती हैं।

H_0^2 शारीरिक शिक्षा एवं फार्मेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भिन्नता के आधार पर राजनीतिक समाजीकरण के राजनीतिक सहभागिता आयाम में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है। स्वीकृत की जाती हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- एंथनी गिडेंस'एसबीसी/ओ/ओजी (1989), पॉलिटी प्रेस, बटलर एंड टैनर लिमिटेड, ग्रेट ब्रिटेन, पृ.60 ।
- गुप्ता, सुमन और रानी, सीमा (2023) 'शहरी और ग्रामीण उच्च शिक्षा के छात्रों के बीच राजनीतिक समाजीकरण पैटर्न का विश्लेषण' विज्ञान, संचार और प्रौद्योगिकी में उन्नत अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (IJARSCT) अंतर्राष्ट्रीय ओपन–एक्सेस, डबल–ब्लाइंड, पीयर–रिव्यू, रेफरी, मल्टीडिसिप्लिनरी ऑनलाइन जर्नल वॉल्यूम 3, अंक 2।
- लुसियन, डब्ल्यू. पाई और सिडनी,वर्बा (संपादित)(1972), राजनीतिक संस्कृति और राजनीतिक विकास, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रिंसटन, पृ. 15 ।
- मैथिल्डे, एम. वैन डिटमार्स और फैब्रीज़ियो बर्नार्डीफैब्रीज़ियो बर्नार्डी (2023) वयस्कता में राजनीतिक समाजीकरण, माता–पिता का अलगाव और राजनीतिक विचारधारा,फ्रंट. पॉलिट. साइंस, खंड 5. https://doi.org/10.3389/fpos.2023.1089671 ।
- मैथिल्डे, एम. वैन डिटमास (2023), राजनीतिक लैंगिक अंतर और वाम–दक्षिणपंथी विचारधारा का अंतर–पीढ़ीगत संचरण. यूरोपियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल रिसर्च खंड 62, अंक 1पृष्ठ 3–24।